Model Curriculum for Three/Four Year Degree Course (With Multiple Entry /Exit Option) Based on NEP-2020

Hindi

Odisha State Higher Education Council, Bhubaneswar

Government of Odisha

Programme Outcome (PO)

The course has been developed for the total upliftment of Hindi Department.

PO1. Able to get a complete overview of Hindi literature.
PO2. Enhancement of proficiency in Hindi literature and develop literary skill.
PO3. Become eligible for professional course/training such as B.Ed. Translation course etc.
PO4. Can learn about different poetic forms and other literary forms.
PO5. Develop analytic capability in prose and poetry. Also develop analytical and reasoning skill.
PO6. Learn about linguistic and different forms of Hindi language such as Rajbhasha, Rastrabhasa and Samparkbhasha.
PO7. Get knowledge of history of Hindi literature from Ancient to modern period.
PO8. Proficiency to qualify competitive professional Exam.
PO9. Develop knowledge in feminism and dalit literature, tribal Discourse, Environment and disaster management
PO10. Get knowledge of computer application and official language Hindi.
PO11. Able to get knowledge about how to do research through research methodology.

Through this programme students can understand and realise the culture, heritage and history of India very nicely and develop their personality accordingly. History is withness that we fought for independence through Hindi language and there are so many incidences where Hindi has played a key role in uniting the country. In present days of Globalisation Hindi Language has become much more powerful. Keeping present needs of Globalisation in mind, we have developed a special form of language, which is called VIGYAPAN KI BHASHA, which can be very much helpful in trade and business. In this multilingual country Hindi Language plays a biggest role to unite everyone through Sampark Bhasha.

Core I

Semester- I

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग - 1)

Course Outcome:

- To provide the knowledge of the entire scenario of 1050-1900 Vikram Samvat (993AD –1857AD) of social changes, reformation, culture and history of India.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge on prominent books written on history of Hindi Literature and the knowledge of the origin of Hindi literature, period division, naming of different era of hindi literature.
- The knowledge of ancient period of Hindi Literature, prominent poets and different trends of poetry. Simultaneously understanding of special features of Aadikalin Hindi literature.
- The knowledge about the Bhakti period and its different philosophical and poetic trends. Origin of Bhakti and causes of development of Bhakti sahitya.
- The knowledge of the political and social background of Ritikaal, different trends and its poets, characteritics of Hindi Court poetry (Darvari Kavya).

UNIT - I

हिन्दी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रन्थ (केवल परिचय), काल विभाजन एवं नामकरण ।

UNIT - II

आदिकाल की पृष्ठभूमि, आदिकाल के प्रमुख कवि, आदिकाल की प्रमुख रचनाएँ, आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृत्तियाँ।

UNIT - III

भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ, निर्गुण काव्यधारा (ज्ञान मार्ग एवं प्रेम मार्ग) निर्गुण काव्यधारा के प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

सगुण काव्यधारा की प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, रामभक्ति शाखा, कृष्णभक्ति शाखा, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ।

UNIT - IV

रीतिकाल की पृष्ठभूमि, रीति काव्य का परिचय, प्रमुख कवि और उनकी रचनाएँ, प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
   नागरी प्रचारणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का उदभव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - डॉ. बच्चन सिंह
4. भक्ति काव्य और लोक जीवन - शिवकुमार मिश्र
5. Social Life and concepts in Medieval Hindi Bhakti Poetry - Dr. Savitri Chandra
6. भारतीय चिंतन परंपरा - के. दामोदरन
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास -लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास -डा. रामकुमार वर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core II

मध्यकालीन हिंदी कविता

(निर्गुण एवं रामभक्ति काव्यधारा)

Course Outcome:

- To provide knowledge of philosophical, historical and literary importance of Nirgun and Ram Bhakti kavya dhara through important text of prominent poets of Bhakti kavya dhara.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge of the philosophy of Nirgun Bhakti, Sufi Bhakti and Ram Bhakti, concept of Nirgun Gyanmargi Bhakti Kavya, Nirgun Premmargi Bhakti Kavya and Ram Bhakti Kavya.
- The knowledge of special features of Nirgun Gyanmargi Poetry and contribution of its prominent poet Kabir Das.
- The knowledge of special features of the Nirgun Premmargi Poetry and contribution of its prominent poet Jaysi.
- The knowledge of special features of the Ram Bhakti Poetry and contribution of it's prominent poet Tulsi Das..

UNIT – I

निर्गुण भक्ति काव्य का स्वरूप, ज्ञानमार्ग और प्रेम मार्ग, रामभक्ति काव्य का स्वरूप, प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

UNIT – II

कबीर -पद संख्या :-

2. रहना नहिं देस बिराना है

4. साधो, देखा जग बौराना

5. तोको पीव मिलेंगे

साखी - पद संख्या (1 से 21)

UNIT-III

मलिक मुहम्मद जायसी -नागमती वियोग –वर्णन (पद संख्या 1 से 15)

UNIT – IV

तुलसी दास -भरत महिमा (पद संख्या 1 से 14)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य -मैनेजर पाण्डेय

2. हिंदी सूफी काव्य की भूमिका -रामपूजन तिवारी।

3. राष्ट्रीय एकता, वर्तमान समस्याएँ और भक्ति साहित्य -कैलाश नारायण तिवारी

4. कबीर की विचारधारा -गोविंद त्रिगुणायत

5. भक्ति काव्य यात्र -रामस्वरूप चतुर्वेदी

6. तुलसीदास -रामचन्द्र शुक्ल

7. कबीर -हजारी प्रसाद द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core III

Semester-II

कृष्णभक्ति एवं रीतिकालीन हिन्दी कविता

Course Outcome:

- To provide the knowledge of Krishna Bhakti Poetry and its prominent poet Surdas, Raskhan, Meera Bai, Bihari and Ghananand.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about Krishna Bhakti Poetry and its prominent poet Surdas.
- The knowledge about the poetry of Raskhan.
- The knowledge about the poetry of Meera Bai.
- The knowledge about the poetry of Bihari.
- The knowledge about the poetry of Ghananand.

UNIT - I

कृष्णभक्ति काव्य का स्वरूप, कृष्ण भक्ति के प्रमुख कवि :

सूरदास : विनय के पद-1 से 5

भ्रमरगीत- 6 से 13

UNIT – II

रसखान- पद

3- मानुष हैं तो वही

4- या लकुटि और कमरिया

6- सेस गनेस महेस

10- मोरपखा परि उपर

12- कान्ह भये बस बाँसुरी के

मीरा - 1. बसो मोरे नैनन में नंदलाल

3. माई री! मैं तो लियो गोविन्दो मोल

6. दरस बिन दूखण लागे नैण

8. कोई कहियौरे ! प्रभु आवण की

9. मेरे तो गिरिधर गोपाल दूसरो न कोई

UNIT -III

बिहारी : भक्ति, ऋतु वर्णन, एवं नीति के दोहे (1 से 26)

UNIT - IV

घनानन्द: प्रेम साधना, प्रेम की अनन्यता, उपालंभ के पद (1, 2, 3, 4 और 5)

पाठ्य पुस्तक:

1. हिन्दी काव्य संग्रह, सं. रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. रीतिकाव्य की भूमिका -डॉ. नरेन्द्र
2. हिंदी साहित्य का उत्तर मध्यकाल -महेन्द्र कुमार
3. बिहारी -विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
4. धनानन्द और स्वच्छन्द काव्य धारा -मनोहर लाल गौड़

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core IV

Core IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास (भाग 2)

Course Outcome:

- To provide the knowledge of Patriotic Poets, writers and about the warriors who fought for the independence in different ways. To provide the knowledge about the changing scenario of Social, Cultural and Political aspects in Hindi literature.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the social cultural and political background of modern period and development of khadiboli Hindi.
- The knowledge about the trends of Bhartendu and Dwivedi yugin poetry and chhayawad yugin poetry.
- The knowledge about the development of Hindi Novel and short story.
- The knowledge about the origin and development of Hindi Drama, Hindi One act play as well as various discourses -feminism, dalit and tribal.

UNIT-1

आधुनिक काल की सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनैतिक पृष्ठभूमि। गद्य का उद्भव एवं विकास। खड़ीबोली का साहित्य ।

UNIT - II

भारतेंदु युगीन काव्य, द्विवेदी युगीन काव्य तथा छायावादी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

UNIT - III

गद्य की प्रमुख विधाओं का विकास :

1) कहानी का उद्भव और विकास
2) उपन्यास का उद्भव और विकास

UNIT - IV

क) नाटक, एकांकी, निबंध (उद्भव और विकास)

ख) अस्मिता विमर्श -दलित, स्त्री, आदिवासी विमर्श

सहायक ग्रंथ :

1. .हिन्दी साहित्य का इतिहास -आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारणी सभा, काशी

2. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास -आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास -डॉ. बच्चन सिंह

4. हिन्दी साहित्य : बीसवीं शताब्दी -नन्द दुलारे वाजपेयी, इलाहाबाद

5. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ -रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली

16. हिन्दी दलित साहित्य -मोहनदास नैमिशराय साहित्य अकादेमी ।

7. अस्मितामूलक विमर्ष और हिंदी सहित्य -डॉ. रजत रानी 'मीनू', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

8. समकालीन हिन्दी साहित्य : विविध विमर्श -प्रो. श्रीराम शर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core V **Semester-III**

अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग

Course Outcome:

- In present days translation plays a major role in literature and all other subjects. To provide the knowledge of different dimensions and forms of translation.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the different fields of translation.
- The knowledge about the different process of translation.
- The knowledge about the various types of translation.
- The practical knowledge of translation from Hindi to English and vice-versa.

UNIT - I

अनुवाद की परिभाषा एवं स्वरूप, अनुवाद के क्षेत्र, अनुवाद कला अथवा विज्ञान ।

UNIT - II

अनुवाद की प्रक्रिया और प्रविधि , अनुवाद तथा समतुल्यता का सिद्धान्त

UNIT - III

अनुवाद के प्रकार: साहित्यिक अनुवाद (भाषा अनुवाद), कार्यालयी अनुवाद, सारानुवाद, भावानुवाद

UNIT - IV

व्यावहारिक अनुवाद : (कौशल विकास)

(1)किसी अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद।
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिए जाएंगे)
(2)किसी हिन्दी अवतरण का अंग्रेजी में अनुवाद।
(केवल कार्यालयी अनुच्छेद ही दिए जाएंगे)

(विद्यार्थी कार्यालयी हिंदी पर अनुवाद कार्य करेंगे और विभाग में जमा करेंगे)

सहायक ग्रंथ :

1. अनुवाद के भाषिक सिद्धान्त -कैटफोट

2. अनुवाद प्रविधि -प्रो. बालेन्दु शेखर तिवारी

3. अनुवाद के सिद्धांत -आर. आर. रेड्डी

4. अनुवाद: प्रक्रिया एवं प्रयोग -छबिल कुमार मेहेर

5. अनुवाद विज्ञान - डॉ. भोलानाथ तिवारी

6. अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृष्य -रीतारानी पालीवाल

7. अनुवाद सिद्धांत -डॉ. अमूल्य रत्न महांती
कल्याण पब्लिशर्स नई दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core VI

कार्यालयी हिन्दी

Course Outcome:

- To provide the knowledge of Official language (Hindi). The use of official language as official letter writing, noting, drafting etc. and to provide the knowledge about computer learning.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about constitutional provisions of official language Hindi.
- The knowledge of noting, drafting, abstract writing and letter writing.
- The knowledge about application of computer in Hindi language and administrative terminology.
- The practical knowledge about official and personal letter writing.

UNIT - I

राजभाषा हिन्दी संवैधानिक प्रावधान राजभाषा, अष्टम अनुसूची, राजभाषा : अधिनियम 1963 राजभाषा नियम 1976

UNIT - II

टिप्पण एवं आलेखन :

टिप्पण: स्वरूप, टिप्पण की प्रक्रिया एवं उद्देश्य,

प्रारूपलेखन: स्वरूप एवं परिचय, प्रारूप तैयार करने की विधि, प्रारूप लेखन की रूपरेखा, प्रारूप लेखन के क्षेत्र ।

संक्षेपण: परिभाषा, संक्षेपण की प्रक्रिया एवं भेद,

पत्रलेखन: अर्थ एवं स्वरूप, पत्रलेखन की विशेषताएँ सरकारी पत्रों के प्रकार ।

UNIT - III

कंप्यूटर में हिन्दी का अनुप्रयोगः

कंप्यूटर: अर्थ, स्वरूप एवं परिभाषा, कंप्यूटर के मुख्यभाग, कंप्यूटर प्रणाली, कार्यालयों में कंप्यूटर का प्रयोग ।

प्रशासनिक शब्दावली - प्रमुख शब्द, प्रमुख वाक्यांश तथा पदनाम ।

UNIT – IV

कौशल विकास: पत्रलेखन

सरकारी पत्र , अर्द्धसरकारी पत्र , निजी पत्र लेखन

(विद्यार्थी इन पत्रों के नमूने प्रस्तुत करेंगे और विभाग में जमा करेंगे)

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना और अनुप्रयोग - रामप्रकाश, दिनेशपुप्त

2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे, वाणी, दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी - विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core VII

हिन्दी कथा साहित्य (कहानी)

Course Outcome:

- To provide the knowledge of popular Hindi stories in Hindi literature. To provide the knowledge of language and literature skills simultaneously the historical and cultural aspects of India through these given stories.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the short stories of Chandradhar Sharma Guleri, Premchand, Prasad and Bhagbaticharan Verma.
- The knowledge about the short stories of Usha Priyamvada, Rajendra Yadav, Kamleshwar and Harishankar parsai.
- The knowledge about short stories of Mannu Bhandari, Shailesh Matiyani,Fanishwarnath Renu and Jainendra.
- The Practical knowledge of Short Story writing.

UNIT – I

कहानी	लेखक
1. उसने कहा था-	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. पूस की रात-	प्रेमचंद
3. पुरस्कार-	प्रसाद
4. मुगलों ने सल्तनत बख्श दी-	भगवतीचरण वर्मा

UNIT - II

5. वापसी-	उषा प्रियंवदा
6. कलाकार-	राजेन्द्र यादव
7. मानसरोवर के हंस-	कमलेश्वर
8. भोलाराम का जीव-	हरिशंकर परसाई

UNIT - III

9. रानी माँ का चबूतरा-	मन्नू भंडारी
10. पोष्टमैन-	शैलेश मटियानी
11. पंचलाईट-	फणीश्वरनाथ रेणु
12. खेल-	जैनेन्द्र कुमार

UNIT - IV

कौशल विकास

(विद्यार्थी को एक निश्चित विषय और रूपरेखा दी जाएगी । उस पर एक कहानी लिखनी होगी और विभाग में जमा करना होगा)

पाठ्य पुस्तक:

1. आधुनिक कहानी संग्रह
   सं. सरोजिनी शर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. कहानी नवी कहानी -नामवर सिंह

2. नयी कहानी की भूमिका -कमलेश्वर

3. हिंदी कहानी का इतितस -गोपाल राय

4. कहानी स्वरूप एवं संवेदना - राजेन्द्र यादव

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core VIII

Semester-IV

साहित्य और सन्दर्भ : विविधवाद

Course Outcome:

- To provide the knowledge of different 'ism', its origin and development in the society and also to provide the knowledge of Image, Fantasy, Myth and Symbol in Hindi literature. By using these theories Hindi literature also has become rich.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the Realism and Idealism.
- The knowledge about the Gandhism and Marxism.
- The knowledge about the Romanticism and Existentialism.
- The knowledge about the Image, Fantasy, Myth and Symbol in literature.

UNIT - I

(1) यथार्थवाद (2) आदर्शवाद

UNIT – II

(3) गांधीवाद (4) मार्क्सवाद

UNIT - III

(5)स्वच्छंदतावाद (6) अस्तित्ववाद

UNIT – IV

(7) बिंब, फैंटसी (8) मिथक, प्रतीक

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी आलोचना - डॉ. सदन कुमार पाल, शवनम पुस्तक महल, कटक
2. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिन्दी आलोचना - डॉ. रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, काशी
3. आलोचना से आगे - सुधीश पचौरी
4. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - डॉ. बच्चन सिंह
5. हिन्दी आलोचना का विकास - नन्दकिशोर नवल

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core IX

हिन्दी कथा साहित्य (उपन्यास)

Course Outcome:

- To provide the knowledge about the origin and development of Hindi Novel and its impact in Indian society and environment. To provide the knowledge about the 'Upanyas Samrat' Premchand and women Hindi Novelist.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the Upanyas Samrat Premchand and his period.
- The knowledge about the woman hindi novelist and feminism.
- The comprehensive knowledge of Novel 'Gaban' by Premchand.
- The extensive knowledge of Novel 'Aapka Bunty' by Mannu Bhandari.

UNIT- I

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास, प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य, प्रेमचन्द के उपन्यासों में भारतीय समाज एवं परिवेश ।

UNIT - II

हिन्दी का महिला उपन्यास साहित्य, स्त्री विमर्श की अवधारणा और संभावनाएँ।

UNIT - III

उपन्यास	**लेखक**
गबन -	प्रेमचंद

UNIT – IV

उपन्यास	**लेखक**
आपका बंटी -	मन्नू भण्डारी

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन
2. विरासत का सवाल - शिवकुमार मिश्र
3. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा - रामदरश मिश्र
4. उपन्यास के पहलू - ई. एम. फोस्टर

5. आधुनिक हिंदी उपन्यास	-सं. भीष्म साहनी, राम जी मिश्र, भगवतीप्रसाद निदारिया, राजकमल प्रकाशन
6. मन्नू भण्डारी और आपका बंटी	- डा. मालविका

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core X

आधुनिक हिन्दी कविता (1)

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Hindi poetry of Maithilisharan Gupt. Also to provide the knowledge about Chhayavadi poet; Prasad, Nirala, Pant and Mahadevi Verma.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the poetries of Maithilisharan Gupt.
- The knowledge about the poetries of Jaishankar Prasad.
- The knowledge about the poetries of Suryakant Tripathi Nirala and Sumitranandan Pant.
- The knowledge about the poetries of Mahadevi Verma.

UNIT- 1

मैथिलीशरण गुप्त :

यशोधरा

1) घूम रहा है कैसा चक्र, (2) सखि वे मुझसे कहकर जाते,

3) आर्यपुत्र दे चुके परीक्षा (4) चुप रह चुप रह हाय अभागे

5) रूदन का हसना ही तो गान

UNIT - II

जयशंकर प्रसाद

1) आँसू - 1 से 20, 2) ले चल मुझे भुलावा देकर

UNIT - III

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला -

1) तोड़ती पत्थर, 2) बादल राग, 3) संध्या सुन्दरी

सुमित्रानंदन पंत –

1) प्रथम रश्मि, 2) ताज

UNIT - IV

महादेवी वर्मा : मैं नीर भरी दुख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

पाठ्य पुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - सं रामवीर सिंह, के. हि. सं. आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. छायावाद	-नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृतियाँ	- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।
3. निराला : आत्महंता आस्था	- दूधनाथ सिंह
4. जयशंकर प्रसाद	- नन्ददुलारे वाजपेयी
5. महादेवी वर्मा	- जगदीश गुप्त

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)

- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XI **Semester V**

हिन्दी भाषा और भाषा विज्ञान

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Hindi language and Linguistics. Also to provide the knowledge of different aspects of Hindi language, it's origin and development of Devnagri Script. To provide the knowledge about different forms of Hindi language.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the Hindi language and origin of different scripts in India and also the development, specialisation and standardisation of Devnagri Script.
- The knowledge about the connection between linguistics and other streams of knowledge.
- The knowledge about origin and development of various forms of Hindi language and knowledge about Fort William College.
- The knowledge about various forms of Hindi such as official language, national language, contact language and communicative language.

UNIT - I

भाषा की परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा परिवर्तन के कारण ।
लिपि की परिभाषा एवं स्वरूप, भारत में लिपि का विकास, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण।

UNIT - II

भाषा विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, ज्ञान की अन्य शाखाओं से संबंध।

UNIT - III

दक्खिनी हिन्दी भाषा का साहित्य खड़ी बोली और साहित्यिक भाषा के रूप में हिन्दी का उद्भव और विकास। फोर्ट विलियम कॉलेज की भाषा - नीति

UNIT - IV

हिन्दी के विविध रूप: राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, संचार भाषा।

सहायक ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, दीप्ति शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

2. हिन्दी : उद्भव, विकास और रूप - हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली

3. हिंदी भाषा का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा

4. भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

5. भाषा और लिपि का इतिहास - धीरेन्द्र वर्मा

6. आधुनिक भाषा विज्ञान - डा. राजमणि शर्मा

7. भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र - कपिलदेव द्विवेदी

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XII

भारतीय काव्य शास्त्र

Course Outcome:

- To provide the knowledge about ancient rules of poetry writings, its various aspects and also the knowledge about different types of Rasa, Alankar and Chhand. To provide the knowledge about definitions and forms of Rasa Siddhant and Riti Siddhant.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the rules of Indian poetics.
- The knowledge about Rasa Siddhant in Indian poetics and its different types.
- The knowledge about Riti Shiddant in Indian poetics and its different types.
- The knowledge about the various kinds of alankar and chhand in Indian poetics.

UNIT - I

काव्य लक्षण, काव्य हेतु , काव्य प्रयोजन, शब्द शक्ति।

UNIT - II

रस सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रस के प्रकार।

UNIT-III

रीति सिद्धान्त: परिभाषा एवं स्वरूप, रीति के भेद।

UNIT - IV

अलंकार : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रमुख भेद, लक्षण एवं उदाहरण; उपमा, रूपक, अनुप्रास, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति यमक, श्लेष, भ्रान्तिमान, अतिसयोक्ति, वक्रोक्ति ।

छंद : लक्षण एवं उदाहरण; दोहा, चौपाई, सवैया, रोला, छप्पय, बरवै, सोरठा, मंदाक्रांता धनाक्षरी, कुंडलिया।

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र

2. भारतीय काव्य शास्त्र - सत्यदेव चौधरी, अलंकार प्रकाशन, दिल्ली

3. भारतीय काव्य शास्त्र - नगेन्द्र, नैशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

4. अलंकार मुक्तावली- देवेन्द्रनाथ शर्मा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XIII

आधुनिक हिन्दी कविता (2)

Course Outcome:

- To provide the knowledge about the different forms of Modern Hindi Poetry and various poets of Modern Era i.e. Rashtra Kavi Dinkar, Halavadi Kavi Bachhan, Prayogvadi Kavi Agyen etc.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the poetries of Dinkar, Bachhan and Agyen.
- The knowledge about the poetries of Bhawani Prasad Mishra, Nagarjun and Shamsher Bahadur Singh.
- The knowledge about the poetries of Dharmveer Bharti, Raghuveer Sahay and Dhumil.
- The practical knowledge about Poetry writing.

UNIT – I

कवि	कविता
राममधारी सिंह दिनकर :	जनतन्त्र का जन्म, अभिनव मनुष्य
बच्चन :	पथ की पहचान
अज्ञेय :	हिरोशिमा, कलगी बाजरे की

UNIT – II

भवानी प्रसाद मिश्र :	गीतफरोश, अभिव्यक्ति
नागार्जुन :	बहुत दिनों के बाद, प्रेतका बयान
शमशेर बहादुर सिंह	एक पीली शाम

UNIT - III

धर्मवीर भारती :	कस्बे की शाम, बोआई का गीत
रघुवीर सहाय	रामदास
धूमिल	मोचीराम

UNIT - IV

कौशल विकास – कविता लेखन

(कक्षा में विद्यार्थी को निश्चित विषय और रूपरेखा दी जाएगी। जिसके आधार पर कविता लिखनी होगी और विभाग में जमा करना होगा।)

पाठ्यपुस्तक :

हिन्दी काव्य संग्रह - केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी कविता का विकास - हेतु भारद्वाज

2. कविता के नये प्रतिमान - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

3. नयी कविता और अस्तित्ववाद - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

4. समकालीन कविता का यथार्थ - परमानंद श्रीवास्तव

5. समकालीन हिंदी कविता - रवीन्द्र भ्रमर

6. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता में राजनैतिक चेतना - डॉ. उसमान खान

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XIV

Semester-VI

पाश्चात्य काव्य शास्त्र

Course Outcome:

- To provide the knowledge of Western Philosopher and their views on Literature i.e aims and objectives of literature, tools for the literature etc. Also to provide the knowledge about various 'ism' and its usage in Western Literature.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the approach of Plato and Aristotle on western poetics.
- The knowledge about the approach of Longinus and William Wordsworth on poetry.
- The knowledge about Mathew Arnold and I.A. Richards's thought on poetry in human life and society.
- The knowledge about Classism, Expressionism, Modernism and Post-Modernism.

UNIT-1

प्लेटो : काव्य, सत्य और अनुकरण,

अरस्तू के काव्य सिद्धान्त ।

UNIT - II

लोगिनुस : काव्य में उदात्त

विलियम वड्सवर्थ : काव्य संबंधी विचार ।

UNIT - III

मैथ्यू आर्नल्ड : कविता और जीवन, कविता और समाज,

आई.ए. रिचड्र्स : मूल्य सिद्धान्त ।

UNIT - IV

आभिजात्यवाद , अभिव्यंजनावाद

आधुनिकतावाद , उत्तर-आधुनिकतावाद

सहायक ग्रंथ :

1. पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र- इतिहास सिद्धान्त और वाद - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
3. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - जगदीश चंद्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वारणसी
4. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

1. हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली -डॉ. अमरनाथ
2. आधुनिक हिन्दी : आलोचना के बीज शब्द -बच्चन सिंह

अंक विभाजन

- **छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे।**
- **'क' विभाग: एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XV

तुलसीदास: साहित्य और दर्शन

Course Outcome:

- To provide the knowledge about medieval period of Bhakti sahitya and the great poet Tulsidas. Also to provide the knowledge of Bhakti and

philosophy of Tulsidas and about the Mahakavya 'Ramcharitmanas'. To provide the knowledge about the role of Tulsidas as a social reformer.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the poet Tulsidas and legacy of Ram kavya.
- The knowledge about the poetries of Tulsidas and his thoughts.
- The knowledge about the Mahakavya 'Ramcharitamanas' by Tulsidas.
- The knowledge about the 'Vinayapatrika' by Tulsidas.

UNIT-I

तुलसी और उनका युग , तुलसी के भक्ति दर्शन, रामकाव्य की परम्परा और तुलसी ।

UNIT - II

तुलसी की प्रमुख रचनाएँ, तुलसी के नारी सबंधी विचार , तुलसी का समन्वयवाद ।

UNIT - III

पाठ्यपुस्तक: रामचरितमानस: तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर

(अयोध्याकाण्ड पद सं. 1 से 50)

UNIT - IV

विनयपत्रिका : तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर, प्रथम 1- 20 पद

सहायक ग्रंथ :

1. तुलसीदास

- डॉ. माताप्रसाद गुप्त, हिन्दी परिषद
प्रयाग

2. तुलसी और उनका युग

- डॉ. राजपति दीक्षित, ज्ञानमण्डल

3. तुलसी आधुनिक वातायन से

- रमेश कुन्तल मे

4. गोस्वामी तुलसीदास की दृष्टि में नारी और उसका महत्व

- ज्ञानवती त्रिवेदी, काशी विश्वविद्यालय प्रकाशन।

5. गोस्वामी तुलसीदास - रामचन्द्र शुक्ल

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XVI

Semester-VII

भारतीय साहित्य चिंतन

Course Outcome:

- To provide the ancient knowledge of Rasa Sidhant, Alankar Sidhant, Riti Sidhant, Dhwani Sidhant, Vakrokti Sidhant with its classification.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about Rasa Siddhant and its classification.
- The knowledge about Alankar Siddhant and its classification.
- The knowledge about Riti Siddant and its classification.
- The knowledge about Dhwani Siddhant, Vakrokti Siddhant and their classification.

UNIT - I

रस सिद्धांत (रस संप्रदाय) :रस का स्वरूप, रस निष्पत्ति, साधारणीकरण, रस के अंग, रस के प्रकार।

UNIT - II

अलंकार सिद्धांत (अलंकार संप्रदाय) :अलंकार की परिभाषा एवं स्वरूप, अलंकार और अलंकार्य, अलंकार के प्रकार भेद।

UNIT - III

रीति सिद्धांत (रीति संप्रदाय) :रीति की परंपरा, रीति की अवधारणा, रीति और गुण, रीति का वर्गीकरण।

UNIT - IV

ध्वनि सिद्धांत (ध्वनि संप्रदाय) :ध्वनि का स्वरूप, प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के भेद

वक्रोक्ति सिद्धांत (वक्रोक्ति संप्रदाय) :वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण।

संदर्भग्रंथ:

1. भारतीय काव्यशास्त्र - निशाअग्रवाल, लोकभारतीप्रकाशन
2.
3. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र
   की रूपरेखा

- रामचन्द्रतिवारी,
लोकभारतीप्रकाशन

4. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन
5.
6. रस सिद्धांत

- डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग
हाउस्, दरियागंज, नई दिल्ली

7.
8. भारतीय काव्यशास्त्र 9.

- डॉ. सत्यदेवचौधरी,
अलंकारप्रकाशन, दिल्ली

10. भारतीय काव्य-शास्त्र की

भूमिका

- नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,

दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XVII

हिंदी साहित्य का इतिहास - 1

(आदिकाल, भक्तिकाल)

Course Outcome:

- To provide the knowledge of the entire scenario of 1050-1700 Vikram Samvat (993AD-1650AD). To provide the knowledge about history and philosophy of Hindi literature, the origin and development of Aadikaal and Bhaktikaal. Also the knowledge about the trends, milestones and literary works of Siddh Sahitya, Jain sahitya, Nath Sahitya, Raso Sahitya and types of Bhakti Sahitya.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the prominent techniques of writing History of Hindi Literature and major books of history of Hindi literature.
- The knowledge about the importance of Kaal Vibhajan, Namkaran and also the Origin and development of Aadikaal and Bhaktikaal.
- The knowledge about the trends, milestones and literary works of Siddh Sahitya, Jain sahitya, Nath Sahitya and Raso Sahitya.
- The knowledge about the concepts of Nirgun Bhakti and its poets Kabir and Jaysi. Also about Sagun Bhakti and its poets Surdas and Tulsidas.

UNIT - I

हिंदी साहित्य का इतिहास दर्शन, हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की प्रमुख पद्धतियाँ,

हिंदी साहित्य के प्रमुख इतिहास ग्रंथ।

UNIT - II

हिंदी साहित्य के इतिहास का काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकाल तथा भक्तिकाल

का उद्भव और विकास और प्रमुख प्रवृतियाँ।

UNIT - III

सिद्ध साहित्य, जैन साहित्य, नाथ साहित्य, रासो साहित्य: बीसलदेव रासो, पृथ्वीराज रासो।

UNIT - IV

निर्गुण भक्ति काव्य :कबीर और जायसी, ज्ञानाश्रयी और प्रेमाश्रयी भक्तिधारा की विशेषताएँ।

सगुण भक्ति काव्य : सूरदास और तुलसीदास, कृष्ण और राम भक्तिधारा की विशेषताएँ।

संदर्भग्रंथ:

1.
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि

- प्रो. मैनेजरपाण्डेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली

3.
4. हिंदी साहित्य का इतिहास

- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

5.

6. हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिंदी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास - रामकुमार वर्मा, लोक भारती
9. इतिहास और आलोचना - नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन
10. मध्यकालीन भारत राजनीति, समाजऔरसंस्कृति (आठवीं से सत्रहवीं सदी तक) - सतीशचंद्र, ओरियंट लॉग्मैन

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XVIII

शोध प्रविधि

Course Outcome:

- To provide the knowledge of Research and its definition, problems and utility through research methodology, the methods of material collection, formulation of problem and analysis of materials. Also to provide the knowledge of skill of writing a synopsis, formulation of hypothesis and conclusion.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the meaning and definition, problems and utilities of research. The knowledge about the method and different types of research.
- The knowledge about the methods of material collection, formulation of problem and analysis of research materials**.**
- The knowledge about the preparation of synopsis, preface, content, division of chapters, footnote and bibliography.
- The knowledge about writing a hypothesis, subject analysis, authentication of theory and conclusion of a thesis.

UNIT - I

शोध अथवा अनुसन्धान का अर्थ और स्वरूप, समस्याएँ तथा उपयोगिता

अनुसंधान के मूल तत्त्व, प्रक्रिया और प्रकार

UNIT - II

प्रविधि सामग्री का परीक्षण, विषय निर्वाचन सामग्री संकलन, विश्लेषण तथा ग्रहण त्याग |

UNIT - III

प्रक्रिया शोधकार्य की रूपरेखा प्रस्तुति, प्रस्तावना, विषयसूची, अध्याय-विभाजन, सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थ- सूची

UNIT IV

परिकल्पना (हाइपोथिसिस), विषय-विवेचन, सिद्धांत की प्रामाणिकता का परीक्षण, निष्कर्ष

संदर्भग्रंथ :

1) शोधप्रविधि -विनय मोहन शर्मा, मयूर पेपर बेक्स,

2) अनुसंधान प्रविधिः सिद्धांत और प्रक्रिया- एन्. गणेशन, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

3) शोध: स्वरूप एवं मानक - बैजनाथ
सिंहल, वाणी प्रकाशन दिल्ली

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XIX

हिंदी साहित्य का इतिहास - 2
(रीतिकाल, आधुनिककाल)

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Ritikaal 1700-1900 vikram samvat (1650-1857 AD) and Adhunik kaal, history of Hindi Literature through Indian Renaissance. Also to provide the knowledge of the socio-politic scenario of 19th century with different forms of Hindi Gadya sahitya.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about origin and development of Ritikaleen poetry, its special features and poets.
- The knowledge about Indian Renaissance, Bharatendu yug, major role of Hindi journals/ magazines in 19th century and freedom movement.
- The knowledge about the contribution of Mahavir Prasad Dwivedi and his period, Hindi Renaissance and role of the Saraswati magazine in development of Hindi language and literature.
- The knowledge about the development of various streams of prose and different 'ism' of Adhunik kal.

UNIT - I

रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य और उनकी काव्यगत

विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ।

UNIT - II

1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण। भारतेंदु और उनका मंडल,

19 वीं सदी की प्रमुख पत्रिकाएँ। भारतेंदुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ

UNIT - III

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वति पत्रिका,

द्विवेदीयुग के प्रमुख गद्य लेखक, राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त।

UNIT - IV

प्रमुख गद्य विधाओं का विकास :- डायरी, पत्र साहित्य, यात्रा वृतांत, आलोचना, पाठालोचन, फीचर लिखन, रिपोर्ताज

विविधवाद : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

संदर्भग्रंथ:

1.

2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ - नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाब

3. रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

4. हिंदी का गद्य साहित्य

   - प्रो. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी

5. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य

   - रेखा अवस्थी, मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया, दिल्ली - 32

6.

7. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण

   - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

8.

9. हिंदी साहित्य का इतिहास सं.डॉ.नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग

10.

11. हिंदी साहित्य का इतिहास

    - प्रो. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, लोकभारती प्रकाशन,इल्लाहाबा

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XX

Semester-VIII

पाश्चात्य साहित्य चिंतन

Course Outcome:

- To provide the knowledge about western poetics and the thoughts of western philosophers i.e. Plato, Aristotle, Longinus, Wordsworth, Coleridge, Croce, I.A. Richards and Mathew Arnold.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about the approach of Plato and Aristotle on poetics.
- The knowledge about the approach of Longinus, William Wordsworth and Coleridge on poetics.
- The knowledge about Croce, Richards and Mathew Arnold's thought on poetry in human life and society.
- The knowledge about surrealism, psychoanalyticism, dialectical materialism and new criticism.

UNIT - I

प्लेटो : काव्य: सत्य और अनुकरण

काव्य प्रेरणा और काव्य सत्य

अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी, विरेचन सिद्धांत

UNIT - II

लोंजाइनस : उदात्त विवेचन

वड्र्सवर्थ : काव्यभाषा संबंधी अवधारणा

कॉलरिज : कल्पना सिद्धांत

UNIT - III

क्रोचे : अभिव्यंजनावाद

आई. ए. रिचर्डस : मूल्य सिद्धांत, भाषा संबंधी विचार

मैथ्यू आर्नल्ड : कला और नैतिकता

UNIT - IV

टी. एस. इलियट : परंपरा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण

प्रमुख वाद : अतियथार्थवाद, मनोविश्लेषणवाद, द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद, नयी समीक्षा

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1) पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेंद्रनाथ शर्मा, मयूर पेपरवैक्स, नोएडा

2) पाश्चात्य साहित्य चिंतन - निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, न.दिल्ली

3) काव्यशास्त्र - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

4) भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा - रामचंद्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन

5) पाश्चात्य काव्यशास्त्र इतिहास सिद्धांत और वाद - भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन

6) अरस्तु का काव्यशास्त्र - नगेन्द्र, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

7) साहित्य चिंतन - डॉ. राम अवध द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

8) पाश्चात्य समीक्षा दर्शन - डॉ. जगदीश चन्द्र जैन, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी

9) पाश्चात्य काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ. नगेन्द्र और डॉ. सावित्री सिन्हा (संपा.) हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

10) हिन्दी आलोचना की परिभाषिक शब्दावली - डॉ. अमरनाथ

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XXI

हिंदी साहित्य का इतिहास - 2
(रीतिकाल, आधुनिककाल)

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Ritikaal 1700-1900 vikram samvat (1650-1857 AD) and Adhunik kaal, history of Hindi Literature through Indian Renaissance. Also to provide the knowledge of the socio-politic scenario of 19th century with different forms of Hindi Gadya sahitya.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about origin and development of Ritikaleen poetry, its special features and poets.
- The knowledge about Indian Renaissance, Bharatendu yug, major role of Hindi journals/ magazines in 19th century and freedom movement.
- The knowledge about the contribution of Mahavir Prasad Dwivedi and his period, Hindi Renaissance and role of the Saraswati magazine in development of Hindi language and literature.
- The knowledge about the development of various streams of prose and different 'ism' of Adhunik kal.

UNIT - I

रीतिकालीन कविता की पृष्ठभूमि, रीतिबद्ध और रीतिमुक्त काव्य और उनकी काव्यगत

विशेषताएँ, प्रमुख रचनाकार तथा उनकी रचनाएँ।

UNIT - II

1857 का स्वतंत्रता संग्राम और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण। भारतेंदु और उनका मंडल,

19 वीं सदी की प्रमुख पत्रिकाएँ। भारतेंदुयुगीन साहित्य की विशेषताएँ

UNIT - III

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिंदी नवजागरण और सरस्वति पत्रिका,

द्विवेदीयुग के प्रमुख गद्य लेखक, राष्ट्रीय काव्यधारा और मैथिलीशरण गुप्त।

UNIT - IV

प्रमुख गद्य विधाओं का विकास :- डायरी, पत्र साहित्य, यात्रा वृतांत, आलोचना, पाठालोचन, फीचर लिखन, रिपोर्ताज

विविधवाद : छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता

संदर्भग्रंथ:

12.

13. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

- नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

14.रीतिकाव्य की भूमिका - डॉ. नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस

15.हिंदी का गद्य साहित्य

- प्रो. रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वारणसी

16. प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य

- रेखा अवस्थी, मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया, दिल्ली - 32

17.

18. महावीर प्रसाद द्विवेदी और
हिंदी नवजागरण

- रामविलास शर्मा, राजकमल
प्रकाशन, नई दिल्ली

19.

20. हिंदी साहित्य का इतिहास

सं.डॉ.नगेन्द्र, नेशनल
पब्लिशिंग

21.

22. हिंदी साहित्य का इतिहास

- प्रो. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय,
लोकभारती प्रकाशन,इल्लाहाबाद

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

Core XXII

लोक साहित्य

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Folk Literature and simultaneously know the importance of Folk Literature, historical and cultural aspects of Folk Literature.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The Knowledge about Folk Literature of our country as well as our state.
- The Knowledge about different forms of Folk Literature.
- The Knowledge about importance of Folk Lores.
- The knowledge about Folk Lores of Odisha.

UNIT-I

लोक का अर्थ, अवधारणा, लोक-संस्कृति, साहित्य एवं लोक का अंतःसंबंध लोक साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

UNIT - II

लोक साहित्य के प्रमुख रूप

लोकगीत-संस्कार गीत, व्रत गीत, श्रम गीत, ऋतु गीत, जाति गीत लोकनाट्य - रामलीला, रासलीला, कीर्तनियां, स्वाँग, विदेशिया, भांड, तमाशा,नौटंकी

UNIT III

लोक कथा- व्रत कथा, परीकथा

लोक गाथा- ढोला-मारू, लोरिकायन, हीर रांझा, लैला-मजनू

UNIT - IV

ओड़िशा का लोकसाहित्यः लोकगीत, लोकनाट्य, लोक कथा, लोक गाथा

(प्रत्येक में से एक रचना का अध्ययन)

संदर्भग्रंथ:

लोक साहित्य की रूपरेखा -	डॉ.महीपाल सिंह राठौड, राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी
लोक साहित्य की भूमिका -	कृष्णदेव उपाध्याय
लोक साहित्य विज्ञान -	सत्येन्द्र
लोकगीति संचयन -	डॉ. कुंजबिहारी दाश
लोक साहित्य तत्व रूप एवं कलारूप-	डॉ. कृष्णचन्द्र प्रधान

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)

प्रवासी हिंदी साहित्य

Course Outcome:

- To provide the knowledge about Diaspora Hindi Literature and simultaneously know the worldwide importance of Diaspora Hindi Literature.

Learning Outcome:

After reading this paper, students will acquire the following knowledge:

- The knowledge about history and cultural aspects of Diaspora Hindi Literature (pravasi Hindi sahitya), its definitons and special fetaures.
- The knowledge about the Diaspora Hindi Novel 'Lal Pasina' by Abhimanyu Anat.
- The knowledge about different Diaspora Hindi Poetry.
- The knowledge about different Diaspora Hindi short stories.

UNIT-I

भारतवंशी समाज, प्रवासी हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, प्रवासी हिन्दी साहित्य की प्रमुख रचनाएं/ विधाएं प्रवासी हिन्दी साहित्य की विशेषताएं ,परिभाषा, संसर्ग से नई शब्दावली, व्याकरण के नये रूप।

UNIT - II

उपन्यास

लाल पसीना	अभिमन्यु अनत

UNIT - III

कविता

होली के रंग	वेद प्रकाश वटुक (अमेरिका)
बर्लिन दीवार / माथे की शिकन / सजा	डॉ० पदमेश गुप्त (ब्रिटेन)
वृक्ष की टहनी पर	मार्तिन हरिदत्त लछमन (सूरीनाम)
क्या मैं परदेसी हूँ	कमला प्रसाद मिश्र (फीजी)

UNIT - IV

कहानी

अभिशप्त	तेजेन्द्र शर्मा (ब्रिटेन)
लाश	सुमन कुमार घई (कनाडा)
जड़ों से काटने पर	कृष्ण बिहारी (अबू धाबी)
घर-वापसी	अर्चना पेन्यूली (डेनमार्क)

संदर्भग्रंथ:

प्रवासी हिन्दी साहित्य : वैश्विक परिदृश्य	डॉ. नवनीत कौर, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकुला
प्रवासी साहित्य का दशा और दिशा	प्रो. प्रदीप श्रीधर
हिन्दी का प्रवासी साहित्य	कमल किशोर गोयनका
प्रवासी हिन्दी साहित्य : स्वरूप और अवधारणा	डॉ. दत्ता कोल्हारे

अंक विभाजन

- **'क' विभाग: छः संक्षिप्त प्रश्न पूछे जाएँगे। एक शब्द/एक वाक्य/सही विकल्प चुनिए में उत्तर लिखना होगा।** (1 ×6=06)
- **'ख' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे** 50 **शब्दों में उत्तर लिखना होगा।** (2 ×5=10)
- **'ग' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। चार प्रश्नों के उत्तर** 250 **शब्दों में लिखना होगा।** (5 ×4=20)
- **'घ' विभाग: पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे। तीन प्रश्नों के उत्तर** 800 **शब्दों में लिखना होगा।** (8 ×3=24)